बिहार प्रशासनिक सेवा संघ

प्रशासनिक सेवा भवन, जवाहरलाल नेहरू मार्ग, पटना–800 001
(पंजीयन सं०–633/2003)
E-mail : basa_bihar@yahoo.com

पत्रांक : 109 दिनांक 21/8/2008

अध्यक्ष
अरूण चन्द्र मिश्र
(M) 9835281295
(M) 9939469410
(R) 0612-2526123

\+ + +

उपाध्यक्ष
* शम्भु नाथ मिश्र
(M) 9431619672
(O) 9334387630
(F) 0612-2504498
(R) 0612-2288139

* अखलाक अहमद
(M) 9934280177
(O) 0612-2219693

\+ + +

महासचिव
सुशील कुमार
(M) 9431091417
(O) 9431818484

\+ + +

संयुक्त सचिव
* राजयनन्द बडियार
(M) 9431093157
(O) 9431818010

* अनिल कुमार
(M) 9431409463

\+ + +

कोषाध्यक्ष
चन्द्र शेखर सिंह
(M) 9334131351

\+ + +

संयुक्त कोषाध्यक्ष
सोमेश बहादुर माथुर
(M) 9431407901
(O) 9334387555

सेवा में,
प्रधान सचिव,
ग्रामीण विकास विभाग,
बिहार, पटना।

विषयः–प्रखंड में पर्यवेक्षको/पंचायत सचिवों/जनसेवकों /सहायकों के रिक्त पदों पर पदस्थापन एवं अर्न्तविभागीय समन्वय में कमी के सम्बन्ध में।

महाशय,

ऐसा देखा जा रहा हे कि प्रखंड स्तर पर प्रर्यवेक्षकों/कर्मियों की रिक्तियों के विरूद्ध विगत कई वर्षो से पदस्थापन नहीं हो रहा है जिसके कारण अधिकांश प्रखंड में प्रर्यवेक्षको, पंचायत सचिवों एवं जनसेवकों की भारी कमी है। कई प्रखंड तो ऐसे हैं जहाँ एक भी प्रर्यवेक्षक नहीं है। अधिकांश प्रखंड में स्वीकृत पद से कम पंचायत सचिव पदस्थापित हैं जिनके बीच सभी पंचायतों के कार्य का वितरण किया गया है। कई प्रखण्ड कार्यालय का कार्य मात्र एक सहायक के सहारा चलाया जा रहा है। इससे न सिर्फ प्रखंड स्तर कर्मियों की कार्य क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, बल्कि प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा भी प्रखंड में चलायी जाने वाली विभिन्न विकास एवं कल्याणकारी की योजनाओं को सुचारू रूप से कार्यान्वयन एवं प्रर्यवेक्षण नहीं हो पाता है। सहायक कर्मियों के अभाव में किये जा रहे कार्य की गुणवत्ता बनाये रखने में भी कठिनाई होती है तथा इसका पर्यवेक्षण सुचारू रूप से नहीं हो पाता है, जिसके लिए कई एक मामले में प्रखंड विकास पदाधिकारी को ही दोषी माना गया है। इसी प्रकार अंचलों में भी कर्मीयों की कमी है जिसके लिए अलग से राजस्व विभाग को भी अनुरोध किया जा रहा है।

यह एक विकट समस्या है। लोककल्याणकारी राज्य के स्थापना के उपरान्त सरकार द्वारा प्रखंड को ही बुनियादी इकाई मानते हुए सभी प्रकार के कल्याणकारी, प्रशासनिक एवं विकास संबंधी योजनाओं के क्रियान्वयन एवं प्रर्यवेक्षण का भार प्रखंड विकास पदाधिकारी को सौंपा गया है।

ज्ञातव्य है कि सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी अंचल अधिकारी के भी प्रभार में है। इसके अतिरिक्त चुनाव कार्य/बाढ़ राहत कार्य/ बी.पी.एल. कार्य/ पल्स पोलियो/ राशन कूपन व अन्य कार्य भी लिये जाते हैं। प्रायः देखा जाता है कि अलग–अलग विभाग द्वारा एक हीं समय में कई कार्य प्रखण्ड विकास पदाधिकारी के एक समय सीमा में करने को कहा जाता है। उपरोक्त उल्लेखित कर्मी के आभाव में सभी कार्यों का निष्पादन एक समय सीमा में करना कठिन हो जाता है।

अतः यह आवश्यक है कि अर्न्तविभागीय समन्वय स्थापित की जाय एव प्रखंड स्तर पर बुनियादी ढ़ाँचे को मजबूत किया जाय तथा इनमें आवश्यक सुविधा उपलब्ध करायी जाय। प्रखंड स्तर पर पर्यवेक्षको/पंचायत सचिवों/जनसेवकों/ सहायकों की सभी रिक्तियों पर अविलम्ब पदस्थापन किया जाय ताकि सरकार द्वारा दिये गये कार्यो का प्रखंड विकास पदाधिकारियों द्वारा सुचारू रूप से एवं योग्यता के अनुरूप निवर्हन किंया जा सके।

विश्वासभाजन

Sushil
21/8/08

महासचिव
बिहार प्रशासनिक सेवा संघ